

समूह के कार्य Functions of Groups.

समूह के कार्य की सरलता या जटिलता उसकी संरचना की सरलता तथा जटिलता पर निर्भर करता है। समूह के सामान्य कार्यों को हथगत में रखते हुए समूह के कार्यों को निम्नलिखित भागों में बांटा जा सकता है।

Satisfaction of Wants (आवश्यकताओं की संतुष्टि)

समूह का प्रथम कार्य अपने सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। आवश्यकताओं की पूर्ति करने के दो तरीके होते हैं ① प्राथमिक आवश्यकता ② द्वितीयक आवश्यकता। समूह में सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना समूह का महत्वपूर्ण कार्य है।

② Satisfaction of need for dominance →
(अधिपत्य - आवश्यकता की संतुष्टि)
समूह में रहने से व्यक्ति के dominance need की पूर्ति होती है।

③ Satisfaction of affiliation wants →

मनुष्य समाज में रहना चाहता है वह (उसकी) सार्वजनिक प्रेरक है जो हर एक व्यक्ति में पाई जाती है। व्यक्ति के इस आवश्यकता की पूर्ति समूह के द्वारा होती है।

iv Creation of new wants (नई आवश्यकताओं की पूर्ति)

व्यक्ति के सारे आवश्यकताओं की पूर्ति समूह में रहकर ही सम्भव है। जैसे जैसे आवश्यकताएँ उत्पन्न होती हैं वे सब वे सब (उसकी) पूर्ति समूह के माध्यम से होती है।

⑤ समूह लक्ष्य की प्राप्ति → समूह के लक्ष्य की प्राप्ति करना समूह के सदस्यों का एक मुख्य कार्य है। समूह लक्ष्य का अर्थ वह लक्ष्य है जिसमें सभी सदस्यों को रुची होती है। उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं में मिनता होत हुए भी वे इस लक्ष्य की पूर्ति करने का प्रयास सामूहिक रूप से करते हैं। परिवार एक प्राथमिक समूह है जिसका सामान्य लक्ष्य परिवार कल्याण या परिवार उन्नति है इसी तरह किसी भी द्वितीय समूह का निर्माण एक सामान्य लक्ष्य की पूर्ति करने के लिए किया जाता है। जैसे



राजनीतिक समूह, व्यापारिक समूह, सामाजिक संगठन, शिक्षा संस्थान सबों के निर्माण के पीछे कोई या कोई सामान्य लक्ष्य होता है जिसको प्राप्त करने का काम समूह करता है।

6. Maintenance of group ideology → (समूह विचारधारा का स्थापना)

प्रत्येक समूह के अपने मानदंड (norms), मूल्य (values), विश्वास (belief) तथा रिति रिवाज (folkways) होते हैं जिन्हें सिद्धान्त या विचार धारा कहते हैं (ideology) इसका प्रभाव समूह के सदस्यों के व्यवहार पर समान रूप से पड़ता है। इससे उनके मनोवृत्ति तथा विचार व्यवहार पर उसका प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक समूह अपने ideology या विचार धारा का स्थापना करता है + का प्रयास करता है। समूह के इसी कार्य के कारण समूह को केन्द्रीय स्वरूप बना रहता है।

7. Multiple group membership → (अनेक समूहों की सदस्यता)

यूनि रजक समूह अपने सदस्यों के सारे आवश्यकताओं को पूर्ति नहीं कर सकता है इसलिए वह दूसरे समूहों के साथ मिल कर कार्य करता है।

सामाजिक करार का साधन →

समूह व्यक्ति के सामाजिकरण का एक साधन है।